भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 2461
उत्तर देने की तारीख: सोमवार, 4 अगस्त, 2025
13 श्रावण, 1947 (शक)

बागपत के सिनौली-तिलवाड़ा क्षेत्र में संग्रहालय की स्थापना

2461. डॉ. राजकुमार सांगवान:

क्या **संस्कृति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या उत्तर प्रदेश के बागवत लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत सिनौली-तिलवाड़ा क्षेत्र में सिंधु घाटी सभ्यता का एक महत्वपूर्ण स्थल है;
(ख) क्या इस स्थल पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा किए गए उत्खनन में रथ, मानव कंकाल और घोड़े के अवशेष जैसे साक्ष्य मिले हैं जिन्हें वैदिक युग की उपस्थिति के महत्वपूर्ण संकेत माना जाता है और यदि हां, तो इन अवशेषों के संरक्षण के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार का बागपत के सिनौली और तिलवाड़ा क्षेत्र में इन अमूल्य साक्ष्यों के संरक्षण और प्रदर्शन के लिए एक संग्रहालय स्थापित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो इसे कब तक पूरा किए जाने की संभावना है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संस्कृति और पर्यटन मंत्री
(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): सिनौली-तिलवाड़ा में ताम्रपाषाण संस्कृति के महत्वपूर्ण पुरातात्विक अवशेष मिले हैं।

(ख): सिनौली और तिलवाड़ा में किए गए उत्खनन में ताम्रपाषाण संस्कृति के कई कंकाल, रथ और अन्य कलाकृतियाँ मिली हैं। तथापि, घोड़े के अवशेष नहीं मिले हैं।

उत्खनन से प्राप्त वस्तुएं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के पास सुरक्षित रखी गई हैं।

(ग): ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। उत्खनन से प्राप्त कलाकृतियों का विधिवत् दस्तावेजीकरण किया जाता है और उन्हें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा अनुसंधान एवं अध्ययन हेतु संरक्षित किया जाता है।

*****